अध्यक्षीय सम्बोधन .....

आदरणीय मुख्य अतिथि सह उद्घाटन कर्त्ता, मंचाशीन सभी विशिष्ट अतिथि, सभागार में उपस्थित कुशवाहा अभियन्ता फोरम के सभी अभियन्तागण, भाई–बहनों, बच्चों, पत्रकार एवं मिडियाकर्मी बँधुओं।

कुशवाहा अभियन्ता फोरम के 30वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर मौर्य कुशवाहा अभियन्ता भवन के सभागार में, बिहार प्रांत के पाटलिपुत्र के इस पावन धरती पर आप सबों का हार्दिक स्वागत है, अभिनन्दन है।

आप सबों ने अपना मूल्यवान समय देकर इस समारोह को सफल बनाने का प्रयास किया है। इसके लिए मैं हृदय से आप सबों का आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं अभिनन्दन करता हूँ, फोरम के पूर्व, वर्त्तमान पदाधिकारियों, कार्यकारणी के सदस्यों, योजना एवं परामर्शदातृ समिति के सदस्यों, संरक्षक सदस्यों जिनके सहयोग, योगदान एवं अथक परिश्रम से फोरम प्रगति के पथ पर सतत् अग्रसर है।

मैं अभिनन्दन करता हूँ, क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं सदस्यों का जिनके परिश्रम एवं योगदान से यह समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न हो रहा है। मैं अभिनन्दन करता हूँ विज्ञापनदाताओं एवं आर्थिक सहयोग करने वालों का जिनके सहयोग के फलस्वरूप कुशवाहा अभियन्ता फोरम की वार्षिक स्मारिका का सफल प्रकाशन किया जा सका है।

फोरम के सदस्यों की अभिलाषा थी कि फोरम का अपना भवन हो, आपके सहयोग एवं कठिन परिश्रम से ''मौर्य कुशवाहा अभियन्ता भवन'' का निर्माण पटना के दानापुर–खगौल रोड में 'रेडिऐंट स्कूल के पीछे' हो रहा है। यह भवन अखिल भारतीय स्तर का है। जिसमें आज फोरम की 30वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन हो रहा है। यह सब आप के सहयोग का ही प्रतिफल है। आप सबों का इसी प्रकार का सहयोग मिला, तो आगे भी भवन का निर्माण कार्य अबाध रूप से चलता रहेगा। पूर्व की भाँति आपसबों की सहयोग की आवश्यकता है।

फोरम मैरेज ब्यूरों, जगदेव स्मृति छात्रवृति, कल्याण कोष आदि के माध्यम से समाज का कल्याण करते आ रहा है और करता रहेगा।

फोरम, आपसी भाईचारा, परस्पर सहयोग समन्वय स्थापित करने का काम कर रहा है। फोरम के कार्यकलापों से कुशवाहा बंधुओं का स्वभिमान जागृत हुआ है। इसके संचालन से फोरम के सदस्यों का मान–सम्मान समाज एवं सरकार में बढ़ा है तथा नेतृत्व करने की क्षमता भी उत्पन्न हुई है।

कुशवाहा समाज के लोग ईमानदार होते है। इस समाज के लोगों में कर्मठता, लगनशीलता, परिश्रम करने की क्षमता एवं काम के प्रति समर्पण की भावना अन्य समाज के लोगों से अधिक होती है। ऐसा पूर्व में अंग्रेज शासकों द्वारा भी इंगित किया गया है। इसमें यदि सामाजिक, आर्थिक एवं अपेक्षित राजनीतिक चेतना आ जाय तो कुशवाहा समाज आगे निकल सकता है। जो समाज, अपने लोगों के लिए जितना त्याग करता है, वह समाज उतना ही आगे बढ़ता है।

राजनीतिक चेतना की कमी, आपसी ताल मेल का अभाव, संघर्षशीलता की कमी, अपने हृदय के उद्गार को छिपाये रखना, जागरूक कार्यकर्त्ताओं का अभाव, सामूहिक रूप से कार्यों का अनजाम नहीं देना, पर्याप्त संगठन की कमी के कारण यह समाज पीछे चल रहा है। कुशवाहा समाज का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। हमें अतीत के गौरव को याद कर वर्त्तमान में जीते हुए भविष्य के शिखर पर जाने का प्रयास करते रहने की आवश्यकता है। हम कुश के वंशज हैं। महात्मा बुद्ध, चन्द्रगुप्त महान एवं सम्राट अशोक हमारे आदर्श हैं। इन महान सपूतों की भांति हमें भी आगे बढ़ना है। समाज का नेतृत्व करना है। कुशवाहा समाज को विकसित कर राज्य एवं देश का नेतृत्व करने का कौशल भी प्राप्त करना है।

फोरम आपके एवं आपके बच्चों का शुभेच्छु है। उन्हें आगे बढ़ने, सामाजिक बनने, मुखर होने, संगठित होकर प्रगति करने, समाज में भाईचारा एवं समन्वय स्थापित करने की प्रेरणा प्रदान करता है। तकनीकि संस्थान में अध्ययनरत गरीब, मेधावी छात्र–छात्राओं को छात्रवृति प्रदान कर उनके भविष्य को ऊँचाईयों तक पहुँचाने में मदद करता आ रहा हैं उनके कल्याण के लिए कई तरह का समुचित प्रयास कर रहा है।

फोरम को हर तरह से मजबूत करने की आवश्यकता है। तन–मन–धन से इसे सींचकर देश का सर्वोत्तम संस्था बनाने के लिए हमें कृत संकल्पित होना है।

इन्हीं विचारों के साथ आप का पुनः हार्दिक अभिनन्दन करते हुए आपसबों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

(इ० इंन्दुभूषण प्रसाद कुशवंशी)
अध्यक्ष
कुशवाहा अभियन्ता फोरम